बी. ए. द्वितीय वर्ष संस्कृत परीक्षा 2019-2020
प्रश्नपत्र कूट संख्या - 2641
प्रथम प्रश्न पत्र: नाटक, छन्द एवं अलंकार

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. अभिज्ञानशाकुन्तलनाटकम् - कालिदास
2. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तल में प्रयुक्त मुख्य छन्द)
3. अलंकार (काव्यदीपिका, अष्टम शिखा)

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई -	प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय अंक (अभिज्ञानशाकुन्तल)
द्वितीय इकाई -	चतुर्थ, पंचम् एवं षष्ठ अंक (अभिज्ञानशाकुन्तल)
तृतीय इकाई -	सप्तम अंक (अभिज्ञानशाकुन्तल)
चतुर्थ इकाई -	छन्द
पंचम इकाई -	अलंकार - काव्यदीपिका की अष्टम शिखा से निम्नलिखित अलंकार पठनीय हैं- अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, उपमा, मालोपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्यतिरेक, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, दृष्टांत, अर्थान्तरन्यास, दीपक, सन्देह, भ्रान्तिमान्, अप्रस्तुतप्रशंसा एवं समासोक्ति।

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खण्ड - (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड - (व्याख्यात्मक भाग) 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएँ) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग **250** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रमानुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा।

क. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय अंक अभिज्ञानशाकुन्तल से दो श्लोक देकर एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ख. अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ, पंचम व षष्ठ अंक से दो श्लोक देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ग. अभिज्ञानशाकुन्तल के सप्तम अंक से दो श्लोक देकर किसी एक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। **10 अंक**

घ. छन्द- अभिज्ञानशाकुन्तल में प्रयुक्त निर्धारित छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण तथा उनमें मात्रा व गणों की परिगणना पूछी जाएगी- कोई चार छन्द देकर दो की।**10 अंक**

ङ अलंकार- कोई चार अलंकार देकर दो के लक्षण तथा उदाहरण पूछे जाएँगे। **10 अंक**

तृतीय खण्ड - (निबन्धात्मक भाग) 30 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। इनके लिए **15 - 15** अंक निर्धारित हैं।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार स्वरूप होंगे।

1. अभिज्ञानशाकुन्तल के प्रथम अंक से लेकर चतुर्थ अंक पर्यन्त की प्रमुख घटनाओं से संबंधित समालोचनात्मक प्रश्न। प्रमुख पात्र (दुष्यन्त, शकुन्तला, कण्व, अनुसूया व प्रियंवदा) का चरित्र-चित्रण नाट्यविधा की दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तल की समालोचना, मूल कथापरिवर्तन से नाट्य-सौन्दर्य में होने वाली विशेषताओं से सम्बन्धित प्रश्न आदि । 15 अंक
2. अभिज्ञानशाकुन्तल के पाँच अंक से लेकर सात अंक के घटनाक्रम पर आधारित प्रश्न, पंचम अंक का वैशिष्ट्य, दुष्यन्त, शकुन्तला, शाङ्गरव-शारद्वत का चरित्र-चित्रण, प्रकृति चित्रण, कालिदास की नाट्यशैली तथा कालिदास का नाट्य साहित्य में स्थान इत्यादि। 15 अंक

सहायक पुस्तकें -

1. कालिदास और उनकी काव्यकला - वागीश्वर विद्यालंकार
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - भारतीय विद्याप्रकाशन, दिल्ली
4. छन्दोलंकारशाकुन्तलम् - अजमेरा बुक कम्पनी - जयपुर
5. वृत्तरत्नाकर / भट्ट केदार - चैखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
6. स्नातकसंस्कृतरचनानुवादमंजरी - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
7. सरल अनुवादचन्द्रिका - भारतीय विद्याभवन प्रकाशन, दिल्ली
8. अलंकारशास्त्र का इतिहास - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
9. महाकवि कालिदास - डॉ. रमाशंकर तिवारी
10. कालिदास के रूपकों का नाट्यशास्त्रीय विवेचन - डॉ. कुसुम भूरिया
11. कालिदास का नाट्यकल्प - डॉ. श्याम पाण्डेय
12. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य

*****